

राजशक्ति स्त्री. (तत्.) राजा या राज्य की शक्ति।

राजशफर पुं. (देश.) 'हिलसा' नामक मछली।

राजशालि पुं. (तत्.) एक प्रकार का उत्तम चावल जो बारीक और सुगंधित होता है, राजभोग।

राजश्री स्त्री. (तत्.) राजलक्ष्मी, राजा का ऐश्वर्य या सौभाग्य का वैभव, राजा की शोभा।

राजसंसद पुं. (तत्.) 1. राजसभा, राजदरबार 2. प्राचीन भारत में वह न्यायालय जिसमें राजा स्वयं उपस्थित होकर न्याय करता है।

राजसंस्करण पुं. (तत्.) किसी पुस्तक आदि का विशेष सुसज्जित सजिल्द संस्करण।

राजस वि. (तत्.) रजोगुण से उत्पन्न या संबंधित, रजोगुणी, रजोगुण से युक्त, राजसिक पुं. (तत्.) आवेश, क्रोध, राज्याभिमान।

राजसत्ता स्त्री. (तत्.) 1. राजा की शक्ति या राजशक्ति, राज्य की सत्ता, वह शासन जिसमें सारी शक्ति राजा के ही हाथों में हो, राजतंत्र 2. देश-विशेष की प्रजा, जनता के भरण-पोषण के लिए स्थापित शासन-व्यवस्था।

राजसत्तात्मक वि. (तत्.) वह शासन-प्रणाली जिसमें केवल राजा की सत्ता ही प्रधान हो।

राजसभा स्त्री. (तत्.) राजा की सभा, राजा का दरबार, अनेक राजाओं की सभा, बड़ी सभा।

राजसमाज पुं. (तत्.) राजाओं का कुल, राजाओं का समुदाय या वर्ग, राजसभा।

राजसात् क्रि.वि. (तत्.) राजकीय अधिकार के अंतर्गत, सरकारी।

राजसिंह पुं. (तत्.) राजाओं में सिंह समान तेजस्वी या श्रेष्ठ, प्रतापी राजा।

राजसिंहासन पुं. (तत्.) राजसभा में राजा के बैठने का विशेष उच्च आसन, (राजा, देवता या धर्मगुरुओं के बैठने के लिए एक विशेष आसन का विधान किया गया है) इस प्रकार के विशेष आसन के दोनों ओर सिंहों की आकृति बनी होती है अतएव उसे सिंहासन कहा जाता है, सिंहासन पर

बैठने वाले व्यक्ति में सिंह जैसी वीरता और पराक्रम होता है, अतएव वह सिंहासन पर बैठने का अधिकारी माना जाता है।

राजसिक वि. (तत्.) 1. रजोगुण वाला, जिसमें रजोगुण मुख्य रूप से हो, राजा के समान 2. धनवान या राजा के योग्य, वैभवमय।

राजसी वि. (तत्.) दे. राजसिक।

राजसूय पुं. (तत्.) 1. चक्रवर्ती सम्राट द्वारा किया जाने वाला महत्वपूर्ण यज्ञ 2. एक विशिष्ट प्रकार का यज्ञानुष्ठान जो चक्रवर्ती राजा द्वारा इस मंत्रव्य से किया जाता है कि उसका विरोध करने वाला पृथ्वी पर कोई नहीं है, और सभी राजा मिलकर सम्राट के रूप में उसे राजसूय से अलंकृत कर राज-तिलक करते हैं उदा. युधिष्ठिर का राजसूय यज्ञ।

राजस्थान पुं. (तत्.) भारत गणराज्य का एक प्रदेश, (प्रायः ऐसा समझा जाता है कि यह प्रदेश राजा-महाराजाओं का प्रदेश है)।

राजस्व पुं. (तत्.) सरकारी संपत्ति, कर रूप में दिया जाने वाला धन।

राजहंस पुं. (तत्.) एक प्रकार का श्रेष्ठ पक्षी जिसके शरीर का रंग धूसर और पैर तथा चोंच का रंग लाल होता है, इस हंस के बारे में यह प्रसिद्धि है कि वह पानी मिले दूध में से पानी और दूध को अलग अलग कर देता है।

राजहन वि. (तत्.) 1. राजा का हंता 2. राजा को मारने वाला।

राजांक पुं. (तत्.) राजा के पाँच चिह्न जिन्हें धारण करने से उसकी शोभा बढ़ती है, छत्र, चामर, सिंहासन, मुकुट और राजदंड इन पाँच चिह्नों को राजा के अतिरिक्त कोई धारण नहीं कर सकता।

राजा पुं. (तत्.) शासक, किसी देश, राज्य या जाति पर शासन करने वाला, शासन का प्रमुख, प्रजा को सुख देने वाला।

राजाई वि. (तत्.) जो वस्तु राजा के लिए उपयुक्त हो, राजा के योग्य।